Marking Scheme

BSEH Model Paper (2026- 27)

CLASS: 9th (Secondary) **Code: A**

Roll No. | | | | | | | | | | |

हिंदुस्तानी संगीत वादन

(Hindustani Music Instrument) Melodic

(Hindi and English Medium)

ACADEMIC / OPEN

(Time allowed: 2½ hours) (Maximum Marks: 20)

खंड (1) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Section (1) Objective type questions

(01 X 05 = 05)

.....

प्र01 तार सप्तक के स्वरों के चिहन् लिखे ? **01**

उ0 (C) स्वर के उपर बिन्दु।

प्र02 कोमल स्वर के क्या चिहन् होते है? **01**

उ0 (C) स्वर के नीचे लेटी रेखा।

प्र03 संगीत रत्नाकर ग्रंथ में .....अध्याय है? **01**

उ0 सात अध्याय।

प्र04 निम्नलिखित प्रश्न में दो कथन हैं: अभिकथन **(A)** और कारण **(R)**, प्रश्न के नीचे दिये गए उपयुक्त विकल्प का चयन करते हुए उत्तर दीजिए। **01**

अभिकथन **(A):** तीन ताल में 16 मात्राएं होती है।

कारण **(R):** तीन ताल में चार विभाग होते है।

a. **A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या है।

b. **A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या नहीं है।

c. **A** सत्य है परंतु **R** असत्य हैं।

d. **A** असत्य है परंतु **R** सत्य है।

उ0 (A) **A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या है।

प्र05 श्रुतिया कितनी होती है? **01**

उ0 कुल श्रुतियां 22 होती है।

खंड (2) अति लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (2) Very short answer type questions

(02 X 02 = 04)

प्र06 राग यमन का वादी और संवादी स्वर लिखे? **02**

उ0 राग यमन का वादी स्वर ग है तथा संवादी स्वर नि है।

प्र07 राग यमन का गायन समय और थाट का नाम लिखे? **02**

उ0 राग यमन का गायन समय रात्रि का प्रथम प्रहर है तथा थाट कल्याण है।

(अथवा)

(OR)

प्र08 कहरवा ताल में कितनी मात्राओं के कितने विभाग है? **02**

उ0 कहरवा ताल में कुल आठ मात्राए व दो विभाग होते है ।

.....

खंड (3) लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (3) short answer type questions

(03 X 02 = 06)

.....

प्र09 पं रवि शंकर का जीवन परिचय दें **03**

उ0 पंडित रवि शंकर के जन्म के साथ–साथ उनका संगीत के क्षेत्र में योगदान बताने पर पूरे अंक दिये जायेगें।

प्र010 राग भैरव के वादी, सवांदी, जाति और गायन समय लिखे? **03**

उ0 राग भैरव का वादी स्वर ध, सवांदी स्वर रे, जाति– सम्पूर्ण–सम्पूर्ण और गायन समय प्रातः काल माना जाता है।

(अथवा)

(OR)

प्र011 आलाप और तान की परिभाषा लिखें। **03**

उ0 किसी भी राग को शुरू करने से पहले स्वरों को गुणगुणाया जाता है। जिसे आलाप कहते है। आलाप को आकार या स्वरों में गाया जाता है। तांकि राग का स्वरूप बनाया जा सके। आलाप और तान का प्रयोग राग का विस्तार करने के लिए किया जाता है। आलाप के बाद स्थाई गाई जाती है तथा स्थाई के बाद धीरे– धीरे स्वरों का प्रयोग करते हुए तानों को गाया जाता है। तान भी स्वर, आकार और बोल तान के रूप में गाई जाती है।

खंड (4) दीर्घ उत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (4) Long answer type questions

(05 X 01 = 05)

.....

प्र012 राग भैरव की रजाखानी गत को स्वरलिपिबद्ध करें। **05**

उ0 शास्त्रीय परिचय में थाट, गायन समय, जाति, वादी–संवादी, आरोह–अवरोह, पकड आदि के स्वर बताने पर पूरे अंक दिये जायें और छोटे ख्याल की स्वरलिपि में स्थाई व अंतरा लिखने पर पूरे अंक दिये जायें।

इसके अतिरिक्त ताल सहित राग भैरव की रजाखानी गत का स्थाई और अंतरा लिखने पर पूरे अंक दिये जायेगें।

(अथवा)

(OR)

प्र013 तीन ताल का दो गुण लिखे? 05

उ0

चिहन	X	2	0	3
मात्राएं	1 2 3 4	5 6 7 8	9 10 11 12	13 14 15 16
बोल	धाधिं धिंधा धाधिं धिंधा	धातिं तिंता ताधिं धिंधा	धाधिं धिंधा धाधिं धिंधा	धातिं तिंता ताधिं धिंधा